तीन अंगूठियाँ

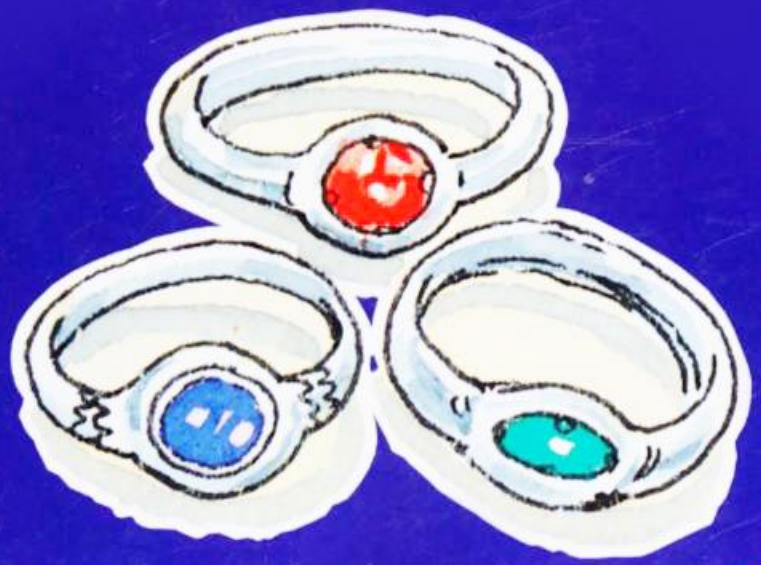

टेड रैग्ग

चित्र: वैल बिरो

R
V
X

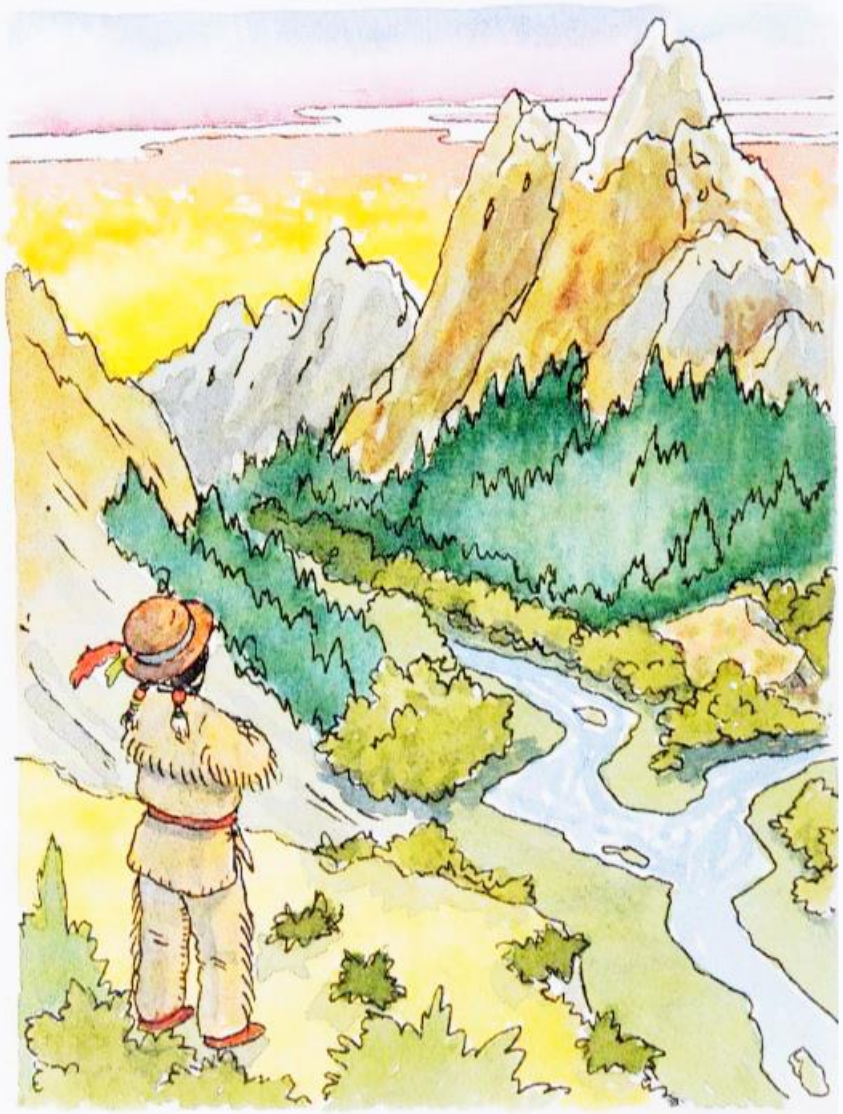

मुखिया

एक समय की बात है, एक जनजाति थी. वो जनजाति नदियों, जंगलों और ऊंचे पहाड़ों वाले इलाके में रहती थी. उनकी ज़मीन बहुत सुंदर थी और जनजाति और राज्य पर शासन करने वाले मुखिया का नाम हॉक था.

हॉक ने अपनी उंगलियों पर तीन अंगूठियां पहनता था. पहली अंगूठी में पॉपी के फूलों जैसा लाल माणिक था. दूसरी अंगूठी में नीली घंटियों के फूलों जैसी नीलमणि थी. तीसरी अंगूठी में घास के रंग का हरा पन्ना था.

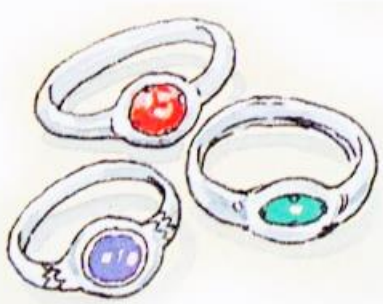

हॉक हर समय वो तीन अंगूठियां पहनता था, क्योंकि वो जनजाति का मुखिया था. उससे पहले हॉक के पिता जनजाति के प्रमुख थे. लेकिन जब वो बहुत बूढ़े हो गए तो उन्होंने हॉक को वे तीन अंगूठियां दे दीं.

हॉक ने कई वर्षों तक जनजाति पर शासन किया. वो एक बुद्धिमान और न्यायप्रिय शासक था. लेकिन, एक दिन, उसे महसूस हुआ कि अब वो जनजाति का मुखिया बने रहने के लिए बहुत बूढ़ा हो चुका था और उसके लोगों को एक नये मुखिया की जरूरत थी.

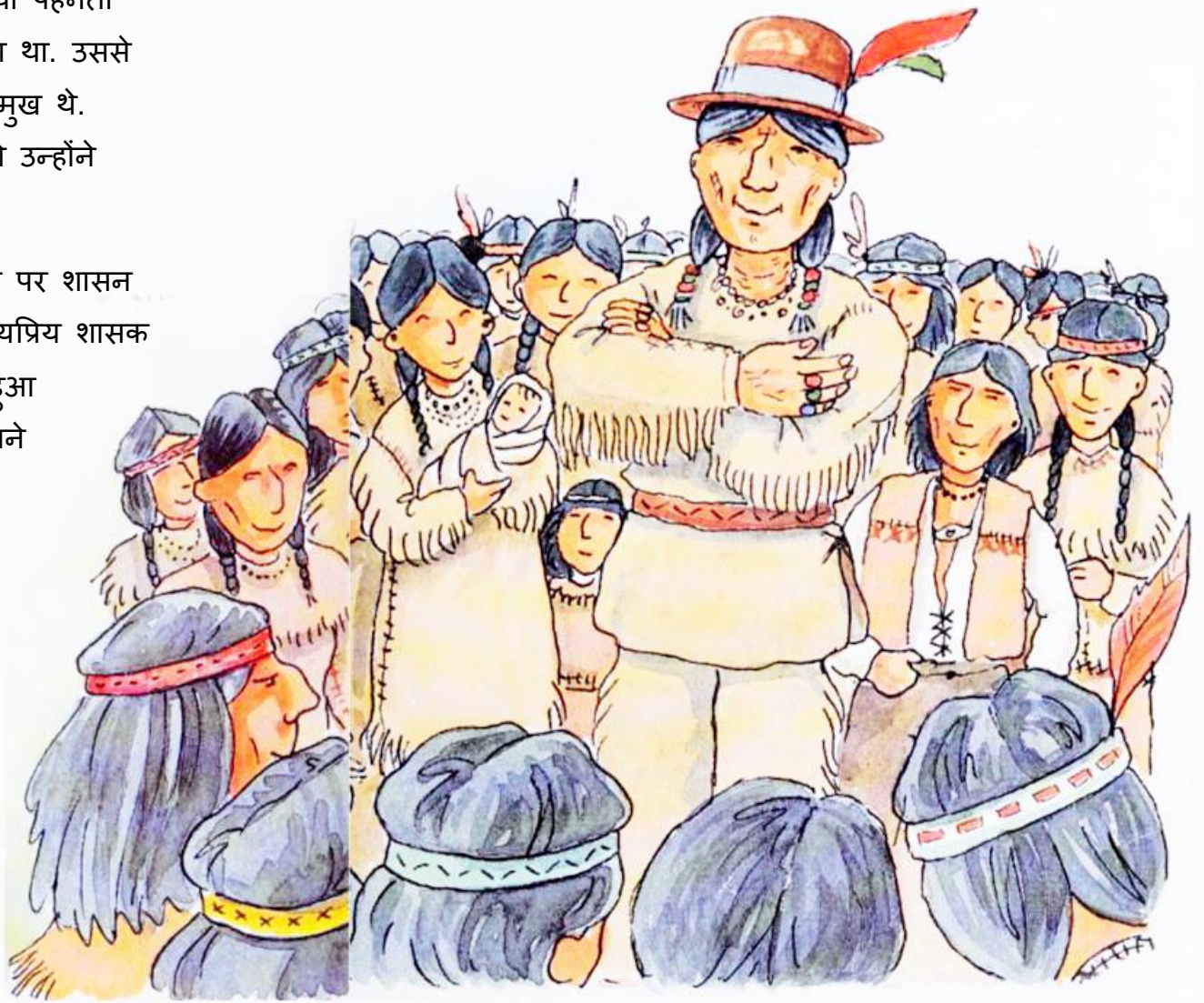

छुपी हुई अंगूठियां

हॉक के दो बेटे और एक बेटी थी. लेकिन हॉक को यह नहीं पता था कि उनमें से अगला मुखिया कौन होना बनेगा. हॉक को अपने बाद मुखिया बनने के लिए उनमें से सबसे अच्छे बेटे या बेटी को खोजना था.

कुछ दिनों के बाद हॉक ने अपने बेटों और बेटी को बुलाया और उन्हें अपनी योजना बताई. "मैं चाहता हूं कि नया मुखिया एक चतुर और बुद्धिमान व्यक्ति हो." हॉक ने कहा, "इसलिए मैंने तुम सबके लिए एक परीक्षा रखी है."

"मैंने अपनी अंगूठियां तीन अलग-अलग जगहों पर छिपाई हैं." हॉक ने कहा, "जो अगला प्रमुख बनना चाहता है उसे वो तीनों अंगूठियां ढूंढनी होंगी."

"क्या आप हमें कोई सुराग देंगे, पिताजी?" हॉक की बेटी लिनेट ने पूछा.

"मैं तुम्हें एक अतापता ज़रूर दूंगा." हॉक ने कहा, "जब मैं मुखिया था, मैंने हमेशा पक्षियों की बातें सुनी थीं, क्योंकि वे सबसे चतुर जानवर होते हैं. वे सब कुछ देखते और सुनते हैं."

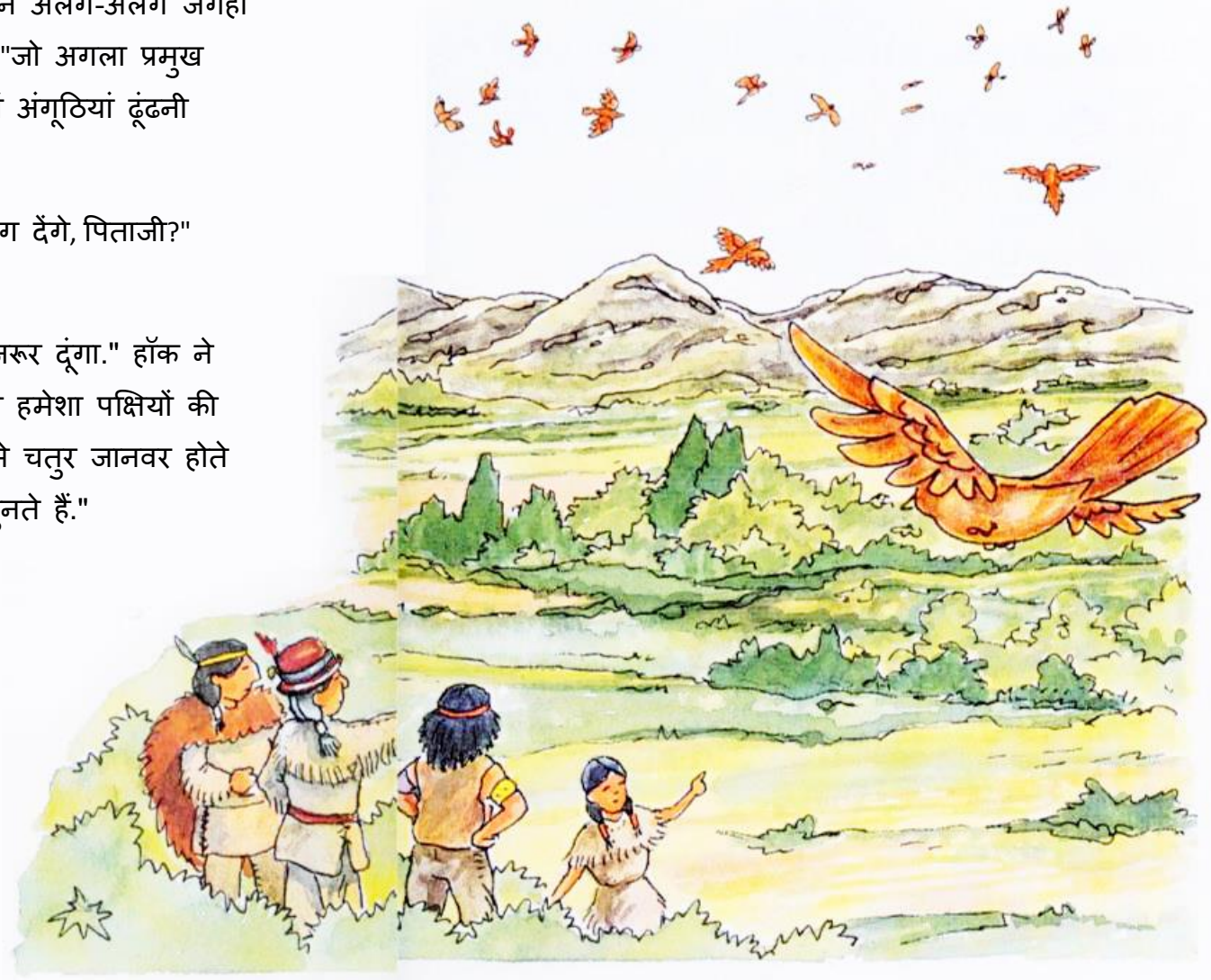

पक्षियों ने मदद की

फिर लिनेट और उसके भाई उन तीनों अंगूठियों की तलाश में निकल पड़े.

"चील सबसे अच्छा पक्षी होगा." सबसे बड़े बेटे मार्टिन ने सोचा, "एक चील पहाड़ की ऊंचाई तक उड़ सकती है और वहां से भी एक छोटे चूहे को देख सकती है."

इसलिए मार्टिन एक पहाड़ पर चढ़ गया. वहां उसे अपनी मदद के लिए एक चील मिली. चील ऊंचे और नीचे उड़ी. वो पहाड़ों की चोटी तक घूमकर फिर वापस लौटकर आई. लेकिन उसे कहीं भी अंगूठियां नहीं दिखाई दीं.

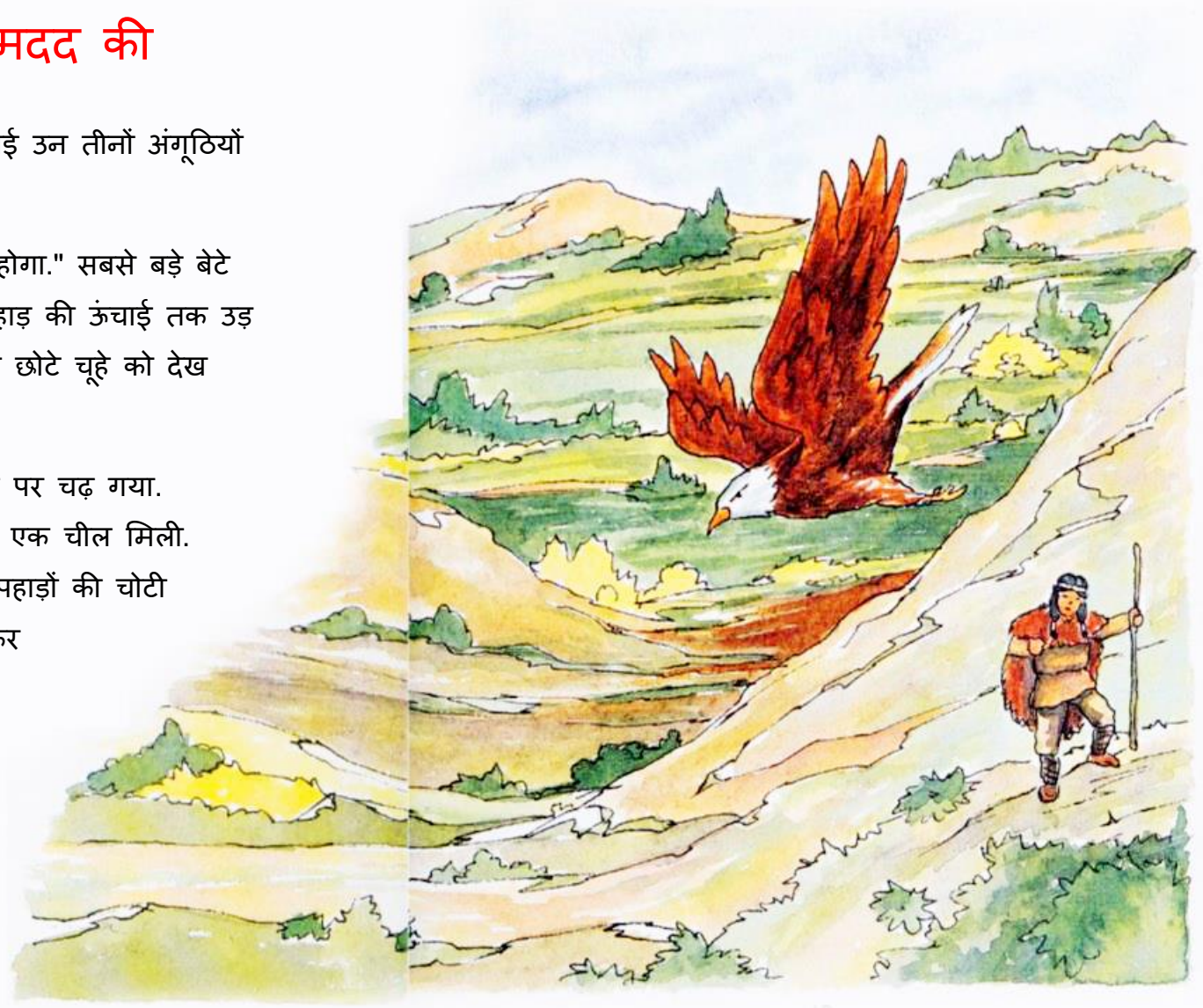

दूसरे बेटे का नाम रॉबिन था. "मेरी मदद के लिए रेन सबसे अच्छा पक्षी होगा." रॉबिन ने कहा, "रेन चट्टानों और पेड़ों की सबसे छोटी दरारों में भी उड़कर घुस सकती है. वो उन तीन अंगूठियों को खोजने के लिए सबसे अच्छी पक्षी होगी."

फिर रॉबिन जंगल में गया और वहां उसे मदद के लिए एक रेन मिली. रेन, चट्टानों और पेड़ों की छोटी-छोटी दरारों से अंदर-बाहर उड़ती रही. लेकिन रेन को वो अंगूठियां कहीं भी नहीं मिलीं.

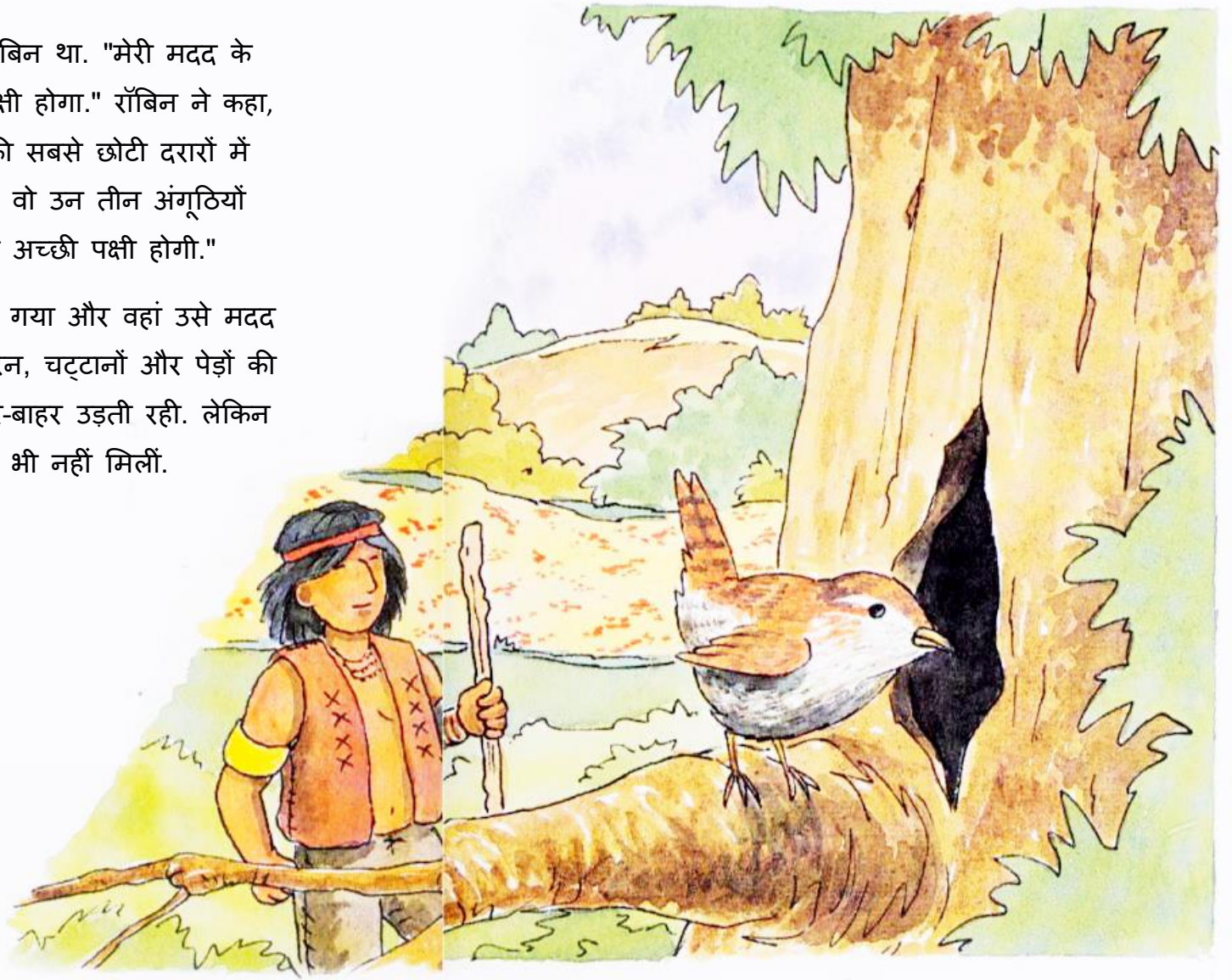

लिनेट ने तुरंत किसी पक्षी को ढूंढने की जल्दबाजी नहीं की. उसने पक्षियों के लिए कुछ रोटियाँ डालीं और फिर वो उन्हें रोटी टुकड़े खाते हुए देखती रही.

"पता नहीं उनमें से सबसे चतुर पक्षी कौन सा है?" उसने मन-ही-मन सोचा. "मुझे पता है!" लिनेट चिल्लाई. "उल्लू! उल्लू बड़े बुद्धिमान और चतुर होते हैं. उल्लू अंगूठियाँ ढूंढने में ज़रूर मेरी मदद करेगा."

फिर उस रात, लिनेट उस उल्लू से मिलने गई जो गाँव के किनारे वाले जंगल में रहता था.

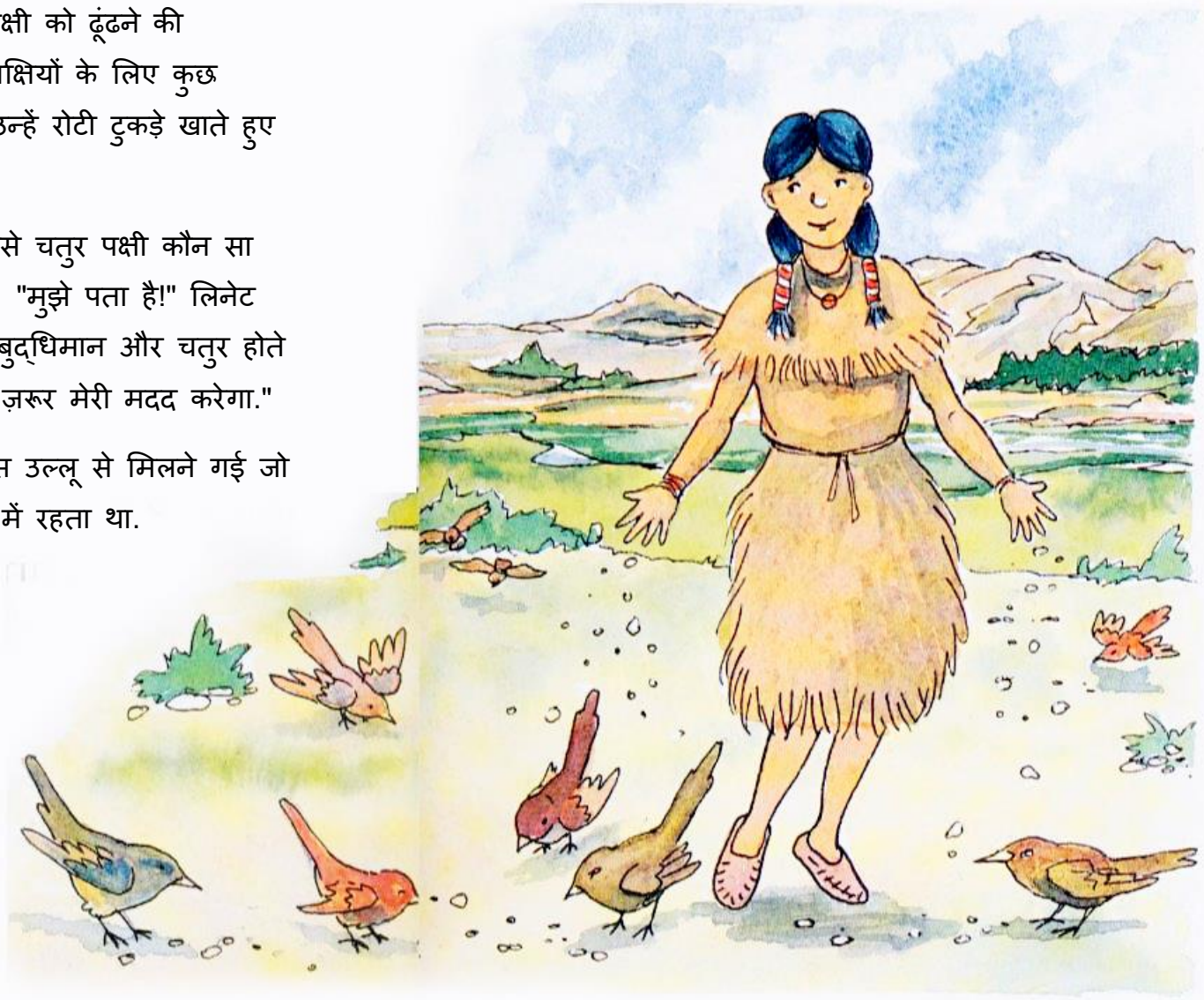

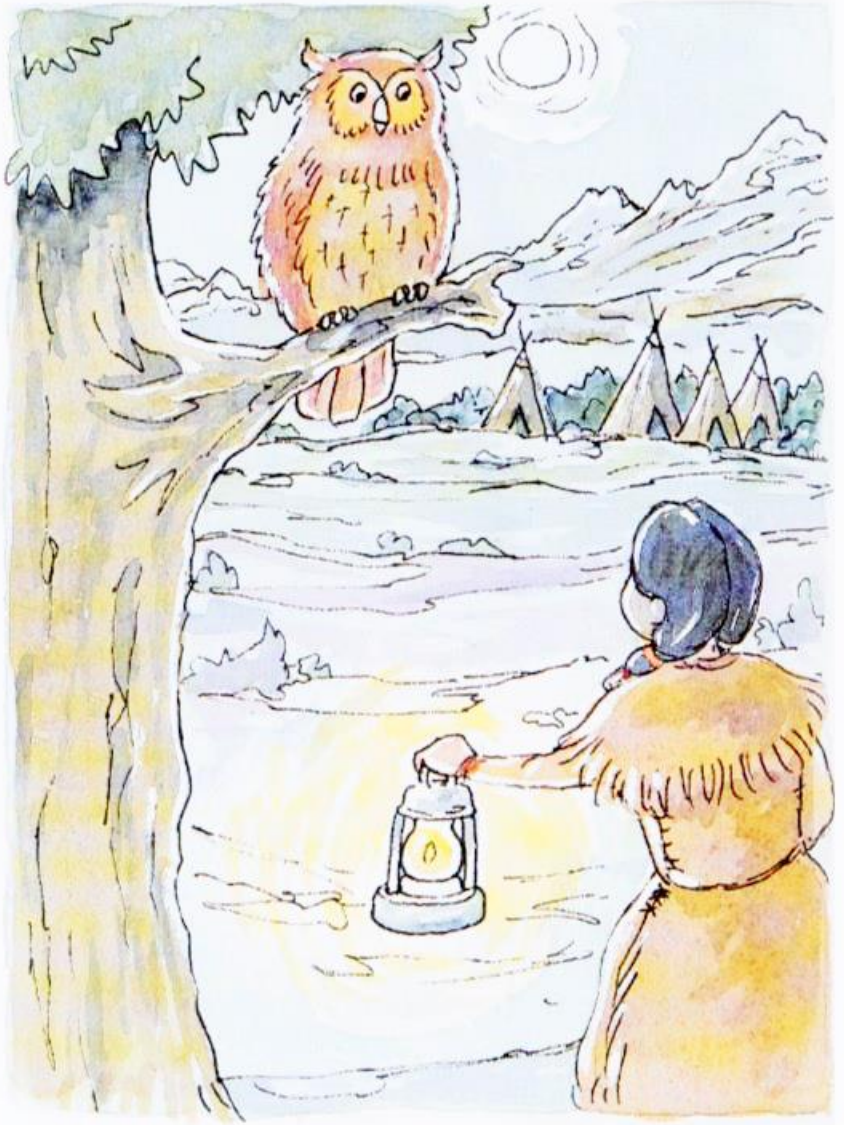

"क्या आप मेरे पिता की अंगूठियाँ ढूंढने में मेरी मदद कर सकते हैं?" लिनेट ने बुद्धिमान, बूढ़े उल्लू से पूछा.

"अंगूठियों जैसी चीज़ों की तलाश करने के लिए मैं सबसे अच्छा पक्षी नहीं हूँ." उल्लू ने कहा, "मैं केवल रात में ही ठीक से देख पाता हूँ और मैं दिन में सोता हूँ."

"बेशक," लिनेट ने कहा. "मैं वो बात भूल गई थी."

"तुम्हें एक ऐसे पक्षी की ज़रूरत है जिसे अंगूठियों जैसी चमकीली चीज़ें पसंद हों." उल्लू ने कहा, "अगर तुम ध्यान से सोचोगी तो तुम उस पक्षी तक ज़रूर पहुँच जाओगी."

लिनेट ने बुद्धिमान बूढ़े उल्लू को धन्यवाद दिया और फिर घर वापस लौटी.

मैगपाई

अगले दिन, लिनेट ने हमेशा की तरह पक्षियों को गौर से देखा. उसने देखा कि एक मैगपाई रोटी खाने के लिए नीचे उड़ी.

"बेशक," लिनेट ने कहा. "मैगपाई को चमकदार चीज़ें पसंद आती हैं. इसलिए मैगपाई मेरी मदद करने के लिए सबसे अच्छी चिड़िया होगी."

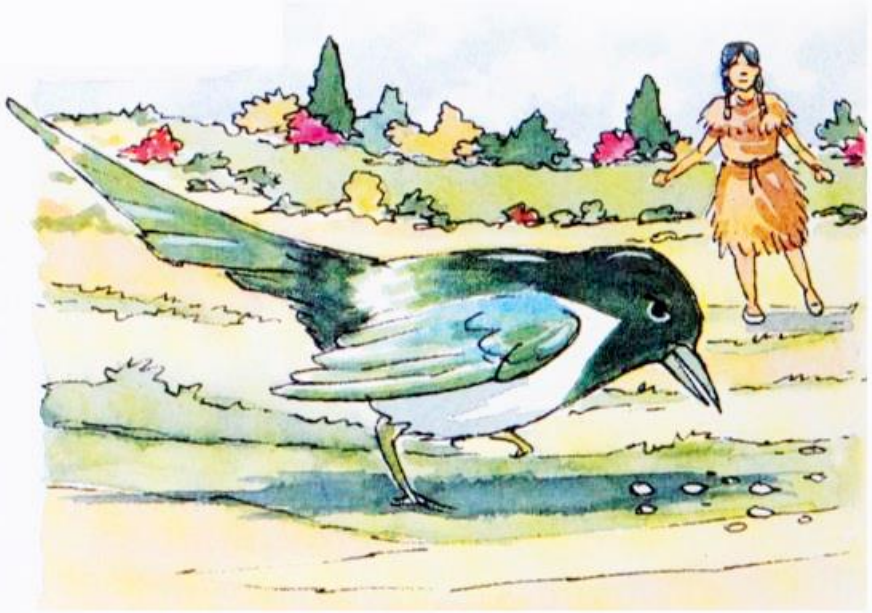

"हां, मैं तुम्हारी मदद ज़रूर करूंगी," मैगपाई ने कहा, जब लिनेट ने उसे पूरी बात बताई. "पहले, मैं अन्य पक्षियों से पूछूंगी कि क्या उन्होंने कुछ देखा है."

फिर मैगपाई उड़ी और जंगल और खेतों के सभी पक्षियों से बात करने गई.

अगले दिन, मैगपाई लिनेट को देखने के लिए वापस उड़ कर आई. "तुम्हारे पिता अंगूठियों को छिपाने के लिए बहुत दूर नहीं गए हैं," मैगपाई ने कहा. "किसी भी पक्षी ने उन्हें पहाड़ों से गुजरते हुए, या नदी घाटी की और जाते हुए नहीं देखा है."

"अच्छा तुम अंगूठी कहाँ छिपातीं, मैगपाई?" लिनेट ने पूछा.

"मैं उन्हें अपने घोंसले में रखती," मैगपाई ने कहा. "लेकिन तुम्हारे पिता बहुत चतुर आदमी हैं. उन्होंने अंगूठियों को एक ऐसी जगह रखा होगा जहाँ से उन्हें देख पाना मुश्किल होगा."

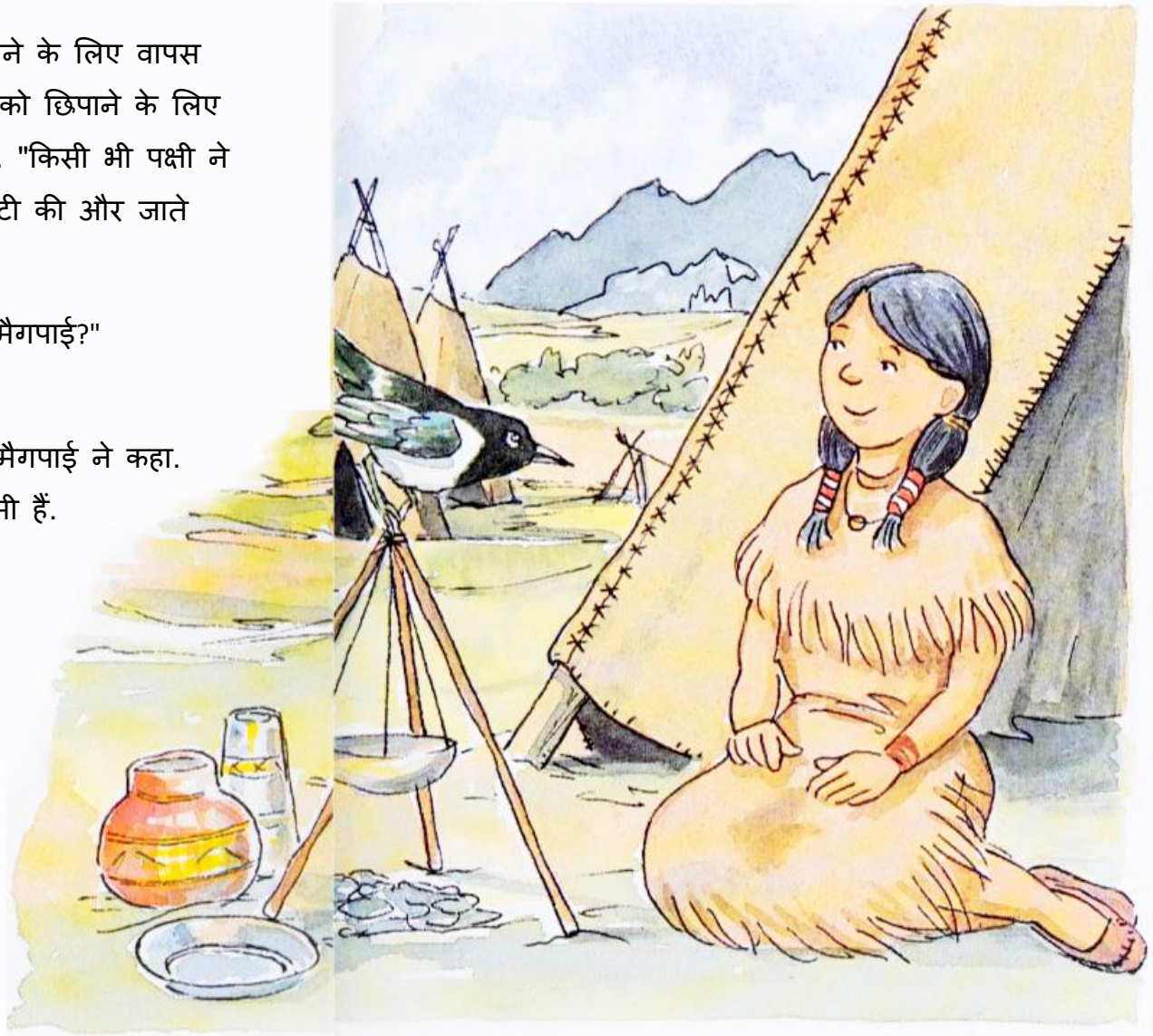

"शायद किसी ऐसी चीज़ के पास, जिसका रंग अंगूठियों से मिलता-जुलता हो?" लिनेट ने कहा.

"हाँ," मैगपाई ने कहा, "बेशक! उन्होंने अंगूठियों को उनके जैसे ही रंग की चीज़ों में ही रखा होगा."

फिर मैगपाई और लिनेट किसी लाल चीज़ की तलाश में खेतों में गए.

अंगूठियों की खोज

"पॉपी के फूल!" लिनेट चिल्लाई. मैगपाई माणिक की अंगूठी की तलाश में धीरे-धीरे पॉपी के खेत में उड़कर गई. तभी उसे एक लाल चमकती हुई चीज़ दिखाई दी. जब वो नीचे उड़ी तो वहाँ एक लाल पॉपी के फूल के अंदर लाल अंगूठी छिपी हुई थी.

"अब हम किसी नीले रंग की चीज़ की तलाश करेंगे," मैगपाई ने कहा. "नदी?"

"एक अंगूठी नदी में बह सकती है." लिनेट ने कहा, "क्या वो किसी नीले फूल के अंदर हो सकती है?"

फिर मैगपाई पहाड़ी के ऊपर उड़ी, जहाँ हरे कालीन पर नीली घंटियों वाले फूल उगे थे.

जल्द ही मैगपाई को एक नीली चमक दिखाई दी. जब वो करीब उड़ी तो वहां, एक नीले फूल के अंदर, उसे नीलमणि की अंगूठी दिखाई दी. मैगपाई ने उसे अपनी चोंच में उठाया और वापस लिनेट की ओर उड़ गई.

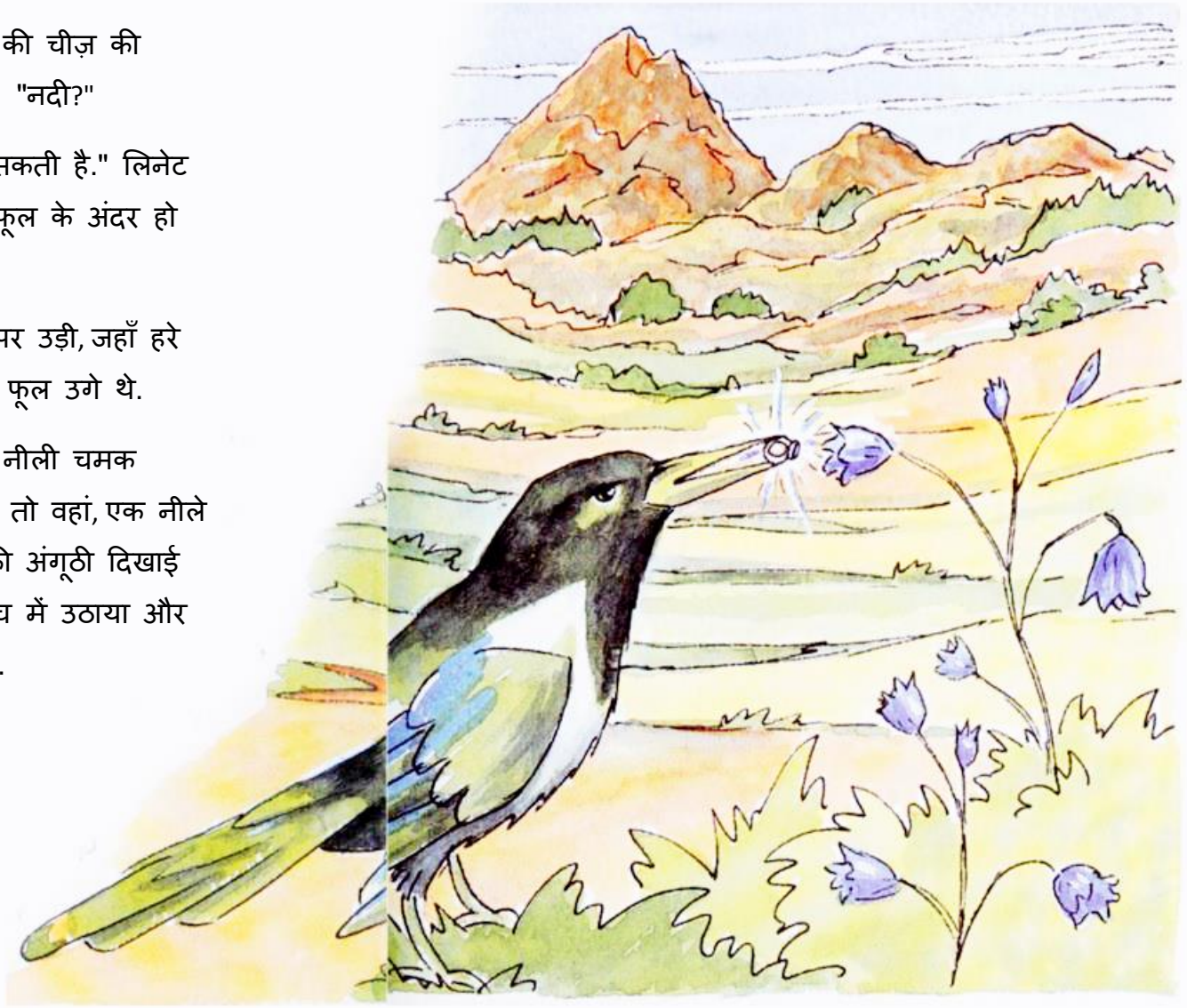

"पन्ने की अंगूठी ढूंढना कठिन होगा," लिनेट ने आह भरी. "क्योंकि इस समय सब कुछ हरा है."

"हार मत मानो, लिनेट," मैगपाई ने कहा. "वो यहीं कहीं घास में छिपी होगी. चलो हम उसे खोजना शुरू करें."

लिनेट और मैगपाई पूरे दिन हरे-भरे खेतों की खोज करते रहे. आख़िरकार मैगपाई को एक हरे रंग की चमक दिखाई दी और वहाँ, चमकदार, हरी घास के गुच्छे में, पन्ने की हरी अंगूठी छिपी हुई थी.

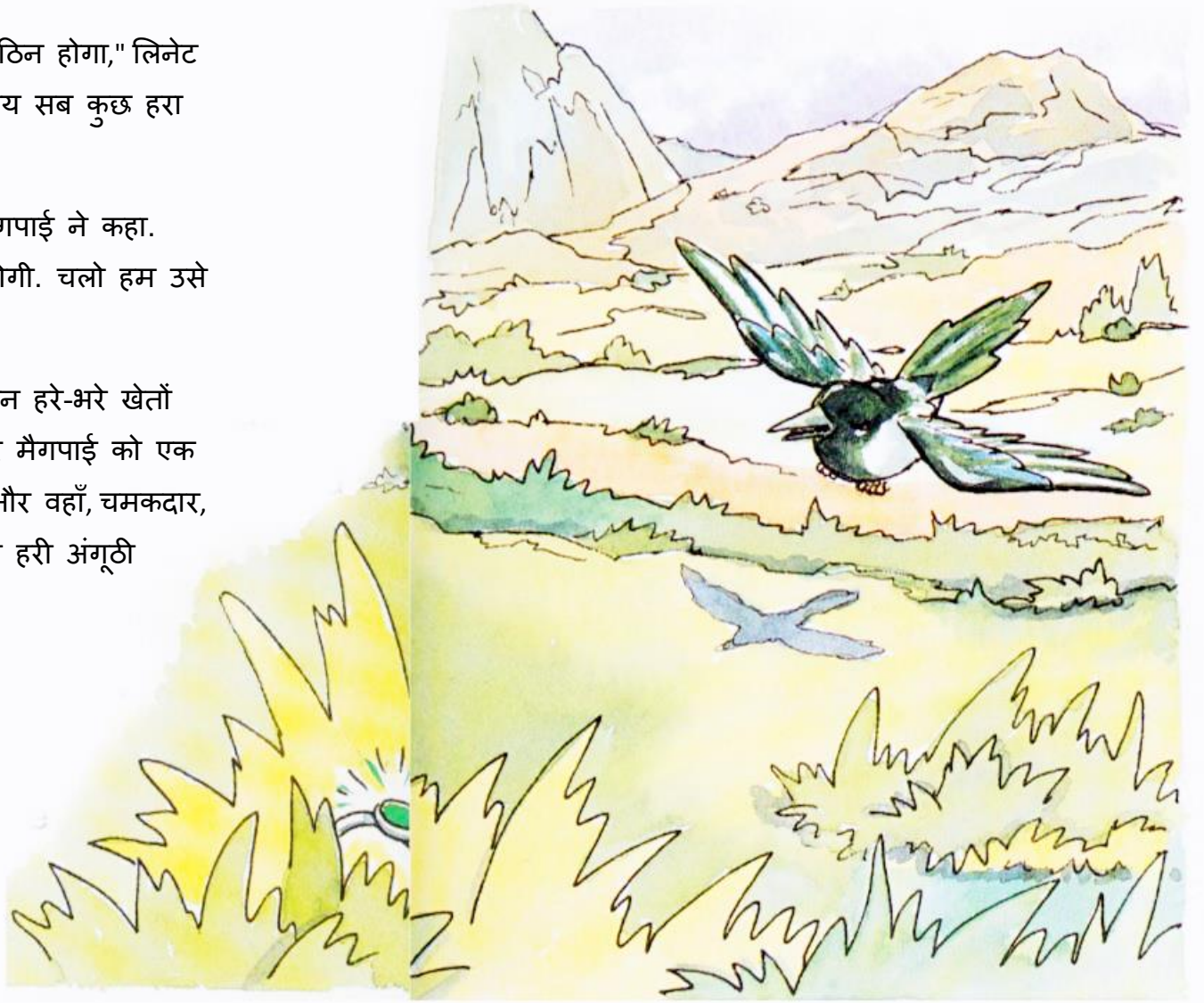

नया मुखिया

"तुम्हें अब वो अंगूठियां पहननी होंगी, लिनेट." मैगपाई ने कहा, "तुम ही अब नई मुखिया बनोगी." इसलिए लिनेट ने तीनों अंगूठियां अपने बाएं हाथ में पहन लीं और अपने पिता के घर वापस गई.

"बहुत बढ़िया, मेरी प्रिय बेटी," हॉक ने कहा. "क्या तुमने मेरी सलाह मानी और पक्षियों की बात सुनी?"

"हाँ, पिताजी, मैंने वही किया," लिनेट ने कहा. "उल्लू ने मुझे मैगपाई से बात करने के लिए कहा और मैगपाई ने सभी अंगूठियां ढूंढने में मेरी मदद की."

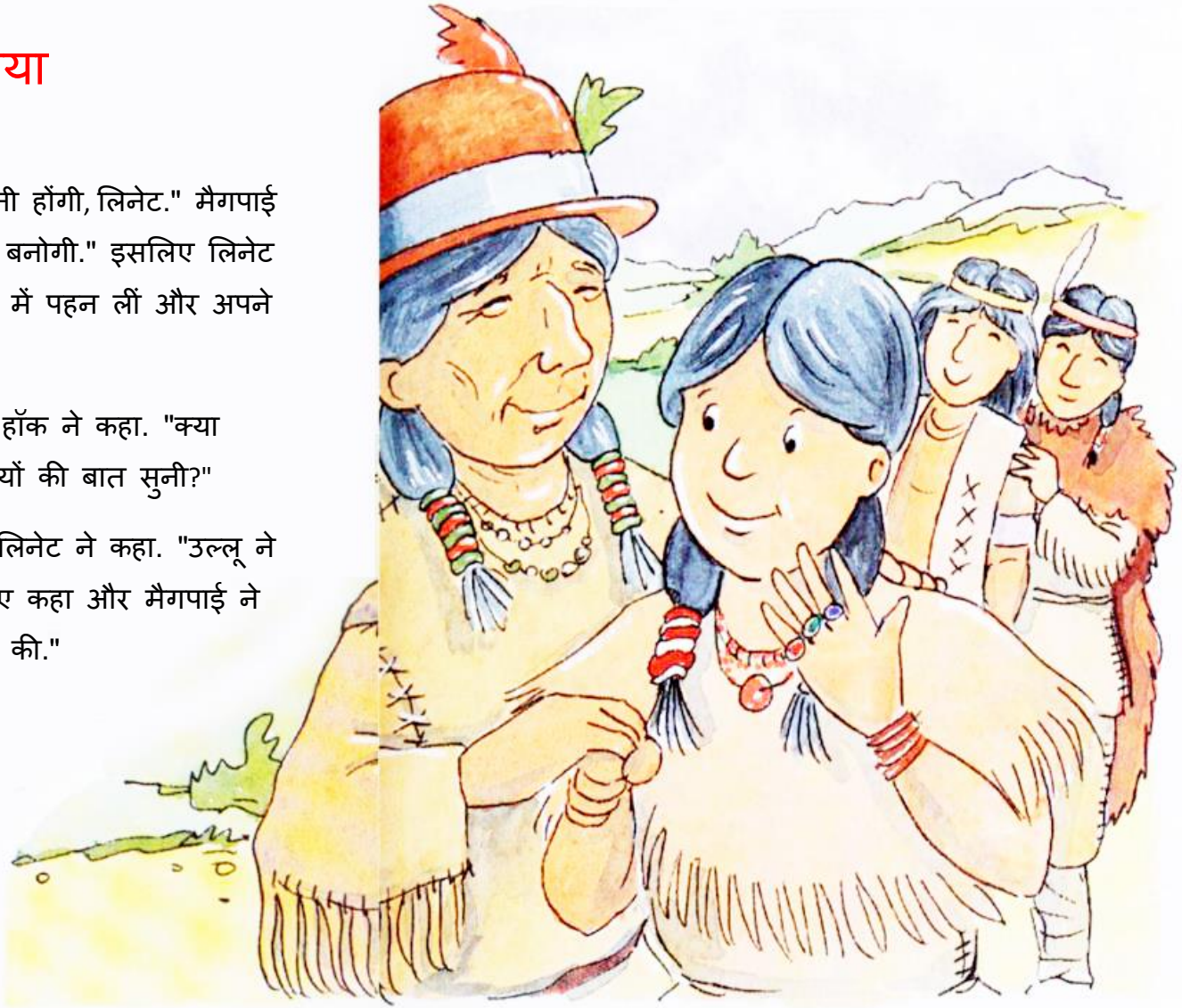

फिर लिनेट ने कई वर्षों तक अपनी जनजाति पर बुद्धिमानी और चतुराई से शासन किया. और, जब भी उसे कोई बहुत पेचीदा समस्या हल करनी होती, तो वो बुद्धिमान बूढ़े उल्लू और तेज़ आँखों वाले मैगपाई से उनकी मदद मांगती थी.

अंत